

प्रारूप-2.1

भाग-1

परियोजना का नाम:- तिलाड़ी से सेरा तक मोटर मार्ग का नवनिर्माण कार्य। (लम्बाई 6.250 किमी०)

1. क) अपेक्षित वन भूमि के लिए प्रस्ताव परियोजना/स्कीम का संक्षिप्त विवरण। - तिलाड़ी से मोटर मार्ग का निर्माण लम्बाई 6.250 किमी० लम्बाई में किया जाना है। उक्त मोटर मार्ग के निर्माण से डीडीहाट विकास खण्ड के दूरस्थ गावों को मोटर मार्ग की सुविधा प्राप्त होगी।
 ख) 1:50,000 स्केल मैप पर वन भूमि और उसके आस-पास के वनों की सीमाओं को दर्शाने वाला मैप। - 1:50000 का मानचित्र संलग्न है।
 ग) परियोजना की लागत। - ₹53.71 लाख।
 घ) वन क्षेत्र में परियोजना स्थापित करने का औचित्य। - N/A
 ङ) रोजगार जिनके पैदा होने की संभावना है। - मार्ग के निर्माण के समय स्थानीय श्रमिकों को रोजगार मिलेगा। ग्रामीण क्षेत्र में समय-समय पर अन्य कार्यों एवं विकास के अवसर बढेंगे। मार्ग पूर्ण होने के उपरान्त ग्रामीण जनसंख्या को आर्थिक, सामाजिक, स्वास्थ्य एवं कृषि से सम्बन्धित लाभ मिलेगा।
2. कुल अपेक्षित भूमि का उद्देश्यवार विवरण:
 (i) रोड निर्माण हेतु ली जा रही वन पंचायत भूमि - -
 (ii) मक डिस्पोजल हेतु ली जा रही वन पंचायत भूमि - -
 (iii) रोड निर्माण हेतु ली जा रही राज्य भूमि - 2.520 हे०
 (iv) मक डिस्पोजल हेतु ली जा रही राज्य भूमि - 0.500 हे०
कुल योग (वन भूमि) - 3.020 हे०
 (i) रोड निर्माण हेतु ली जा रही नाप भूमि - 3.105 हे०
कुल योग (नाप भूमि) - 3.105 हे०
3. परियोजना के कारण लोगों को हटाने का विवरण, यदि कोई है
 क) परिवारों की संख्या - नहीं।
 ख) अनुसूचित जाति/जनजाति के परिवारों की संख्या - नहीं।
 ग) पुर्नवास योजना (संलग्न किये जाने के लिए) - नहीं।
4. क्या पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के अन्तर्गत मन्जूरी आवश्यक है ? (हां/नहीं) - नहीं।
5. प्रतिपूरक वनीकरण करने तथा उसके अनुरक्षण और या दण्ड स्वरूप प्रतिपूरक वनीकरण की लागत के साथ-साथ राज्य सरकार द्वारा तैयार की गई योजना के अनुसार संरक्षण लागत और सुरक्षा क्षेत्र आदि में पुनः वनीकरण की वचनबद्धता (वचनबद्धता संलग्न की जाये) - हाँ।
6. निर्देशों के अनुसार संलग्न अपेक्षित प्रमाण पत्रों/दस्तावेजों का व्यौरा। -

दिनांक - 22/07/2019

स्थान - डीडीहाट

अभिप्रेत अभियन्ता
प्रा०ख०लो०नि०वि०
डीडीहाट

अभिप्रेत अभियन्ता
प्रा०ख०लो०नि०वि०
डीडीहाट

अभिप्रेत अभियन्ता
प्रा०ख०लो०नि०वि०
डीडीहाट

अभिप्रेत अभियन्ता
प्रा०ख०लो०नि०वि०
डीडीहाट (पिथौरागढ़)

अभिप्रेत अभियन्ता
प्रा०ख०लो०नि०वि०
डीडीहाट

अभिप्रेत अभियन्ता
प्रा०ख०लो०नि०वि०
डीडीहाट

अभिप्रेत अभियन्ता
प्रा०ख०लो०नि०वि०
डीडीहाट

अभिप्रेत अभियन्ता
प्रा०ख०लो०नि०वि०
डीडीहाट

प्रारूप-3

भाग-2 (संबंधित उप वन संरक्षक द्वारा भरा जाएगा)

7. परियोजना या स्कीम की अवस्थिति
 - (i) राज्य/संघराज्यक्षेत्र
 - (ii) जिला
 - (iii) जिला वन प्रभाग
 - (iv) पूर्वक्षेत्र के लिए उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि का क्षेत्र
8. पूर्वक्षेत्र के लिए पहचानी गई वन भूमि की विधिक प्रस्थिति
9. अपवर्जन के लिए प्रस्तावित वन भूमि में उपलब्ध वनस्पति का ब्यौरा:
 - (i) वन का प्रकार
 - (ii) वनस्पति का औसत पूर्ण घनत्व
 - (iii) प्रजातिवार स्थानीय या वैज्ञानिक नाम और गिराए जाने के लिए अपेक्षित वृक्षों की परिगणना
 - (iii) पूर्वक्षेत्र के लिए उपयोग की जाने वाली वन भूमि के लिए कार्यकरण योजना का नुस्खा
10. भूक्षरण के लिए पूर्वक्षेत्र हेतु उपयोग की जाने वाली वन भूमि की स्थलाकृति और क्षीणता पर संक्षिप्त टिप्पणी
11. वन भूमि की सीमा से पूर्वक्षेत्र के लिए उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि की लगभग दूरी
12. वन्य जीव की दृष्टि से पूर्वक्षेत्र में उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि की महत्ता :
 - (i) पूर्वक्षेत्र के लिए उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि के लगभग विद्यमान वन्यजीव का ब्यौरा :
 - (ii) क्या राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभ्यारण जैव क्षेत्र आरक्षण, व्याघ्र रिजर्व, हाथी कोरीडोर वन्यजीव उत्प्रवास गलियारे आदि के भाग का निर्माण करते हैं (यदि ऐसा है तो क्षेत्र के ब्यौरे और उपाबद्ध किए जाने में मुख्य वन्य जीव वार्डन की और टीका टिप्पणियों उपाबद्ध की जाए)
 - (iii) क्या किसी राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभ्यारण जैव क्षेत्र आरक्षण व्याघ्र रिजर्व, हाथी गलियारे पूर्वक्षेत्र के लिए उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि की सीमा से दस कि.मी. के भीतर अवस्थित है। (यदि ऐसा है, तो क्षेत्र के ब्यौरे और मुख्या वन्य जीव वार्डन की टीका-टिप्पणियों उपाबद्ध की जाए)
 - (iv) क्या राष्ट्रीय उद्यान, वन्य जीव अभ्यारण जैव क्षेत्र आरक्षण व्याघ्र रिजर्व, हाथी गलियारे वन्य जीव उत्प्रवास आदि पूर्वक्षेत्र के लिए उपयोजित की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि की सीमा से एक कि. मी. के भीतर अवस्थित है। (यदि ऐसा है, तो क्षेत्र के ब्यौरे और मुख्या वन्य जीव वार्डन की टीका-टिप्पणियों उपाबद्ध की जाए)
 - (v) क्या क्षेत्र में वनस्पति और जीव जंतु के अलग या खतरे में अलग किस्म के खतरे की प्रजातियां हैं, यदि हैं तो उसके ब्यौरे
13. क्या क्षेत्र में कोई संरक्षित पुरातत्वीय या विरासत स्थल या प्रतिरक्षात्मक स्थापन या कोई महत्वपूर्ण संस्मारक अवस्थित है (यदि ऐसा है तो उपाबद्ध किए जाने के लिए सक्षम प्राधिकारी से अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एन ओ सी) के साथ उसका ब्यौरा दें)
14. पूर्वक्षेत्र के लिए उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि के विस्तार की युक्तियुक्तता के बारे में टीका टिप्पणियां दें
 - (i) क्या भाग- 1 के पैरा 6 और पैरा 7 में प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा यथाप्रस्तावित वन भूमि की अपेक्षा अपरिहार्य है और परियोजना के लिए अति न्यूनतम है।
 - (ii) यदि नहीं तो वन भूमि के सिफारिश किए गए क्षेत्र जिसके पूर्वक्षेत्र के लिए उपयोग किया जा सकता है।
15. किए गए अतिक्रमण के ब्यौरे :

- तिलाड़ी से सेरा मोटर मार्ग (लम्बाई 6.00 किमी०)
- उत्तराखण्ड/राज्य सरकार।
- पिथौरागढ़।
- पिथौरागढ़ वन प्रभाग, पिथौरागढ़।
- 3.020 हेक्टेयर।

- राज्य भूमि।
- संलग्न है।

भू. स्तर की सम्भावना दी है

- 1 Km.

- सेल १६

- नहीं।

- नहीं।

- नहीं।

- नहीं।

- नहीं।

- हों। उपरि उक्त व युक्त है

नहीं

- (i) क्या अधिनियम या अधिनियम के अधीन मार्गदर्शक सिद्धांतों के अतिक्रमण में किसी कार्य को किया गया है (हां/नहीं) - नहीं।
- (ii) यदि हां, की गई कार्य अवधि, अतिक्रमण में अंतर्वर्तित वन भूमि, अतिक्रमण के लिए उत्तरदायी व्यक्ति (यों) का नाम, पते और पदनाम सहित अतिक्रमण के ब्यौरे और अतिक्रमण के लिए उत्तरदायी के लिए उत्तरदायी व्यक्ति (यों) के विरुद्ध की गई कार्यवाही - जा रही।
- (iii) क्या अतिक्रमण में कार्य अब भी प्रगति में है (हां/नहीं) - नहीं।
16. क्षतिपूरक वनरोपण स्कीम के ब्यौरे :
- (i) क्षतिपूरक वनरोपण बढ़ाने के लिए पहचान की गई वन भूमि की विधिक प्राप्ति - संलग्न है।
- (ii) अवस्थिति, सर्वेक्षण या कम्पार्टमेंट या खसरा संख्या क्षेत्र और क्षतिपूरक वनरोपण क्षेत्र के लिए पहचान किए गए गैर वन क्षेत्र या अवनत वन जैसे ब्यौरे दें। - संलग्न है।
- (iii) क्षतिपूरक वनरोपण क्षेत्र के लिए पहचान किए गए गैर वनीकरण या अवनत वन दर्शित करने वाले 1:50,000 माप के मूल में स्थल परत भारत का सर्वेक्षण और सामीप्य वन सीमाएं संलग्न हैं। - संलग्न है।
- (iv) रोपित की जाने वाली प्रजातियों कार्यन्वयन अभिकरण, समय सूची, लागत संरचना आदि सहित क्षतिपूरक वनरोपण स्कीम के ब्यौरे संलग्न हैं (हां/नहीं)। - हाँ।
- (v) क्षतिपूरक वनरोपण स्कीम के लिए कुल वित्तीय उपरिव्यय : - संलग्न है।
- (vi) क्या क्षतिपूरक वनरोपण के लिए और प्रबंधन के दृष्टिकोणों से पहचान किए गए क्षेत्र की युक्तियुक्तता के बारे में संबद्ध उपवन संरक्षक से प्रमाण-पत्र संलग्न हैं (हां/नहीं)। - हाँ।
17. वनस्पति और जीव जंतु पर प्रस्तावित क्रियाकलापों के समाधात से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तथ्य प्रकाश में लाने वाले उप वन संरक्षक की स्थल निरीक्षण रिपोर्ट संलग्न है (हां/नहीं)। - हाँ।
18. स्वीकृति या अन्यथा कारणों के साथ प्रस्ताव के लिए उप वन संरक्षक की विनिर्दिष्ट सिफारिशों - संलग्न है।

स्थान: डीडिहाट।

तारीख: 14-2-2020

सहित अग्रसारित प्रस्तावक

राज्य सरकार / भारत सरकार

आपत्ति/भारत का उपपालक

हस्ताक्षर

नाम

शासकीय मुद्रा

जलवायु वन अधिकारी
विजयपुर वन विभाग

प्रारूप-4

भाग-3

19. या स्थल, जहां अंतर्वलित वन भूमि अवस्थित है उसका वन संरक्षक - हॉ।
द्वारा निरीक्षण किया गया है (हां/नहीं)। यदि हां, तो निरीक्षण
टिप्पणी के रूप में किए गए निरीक्षण और संप्रेषण की तारीख
संलग्न की जाय।
20. क्या वन संरक्षक भाग 2 में दी गई जानकारी और उप वन संरक्षक हॉ।
की सिफारिशों से सहमत हैं।
21. विस्तृत कारणों के साथ प्रस्ताव की स्वीकृति या अन्यथा के लिए आख्या संलग्न है।
वन संरक्षक की विनिर्दिष्ट सिफारिशों

स्थान:

तारीख:

हस्ताक्षर

नाम

शासकीय मुद्रा